Professional development / administrative training Programmes organized by the institution for teaching and non-teaching staff

Maharaja Ganga Singh University

A State University of Higher Education for Dignity and Self-Reliance

Approved by UGC under Section 12B of the UGC Act 1956

NH 15, Jaisalmer Road, Bikaner-334004 (Raj.) India

https://mgsubikaner.ac.in/

1_ Workshop_Jointly Organised by IQAC & Department of Computer Science_Online Teaching and Evaluation_11.08.2020 to 13.08.2020_2

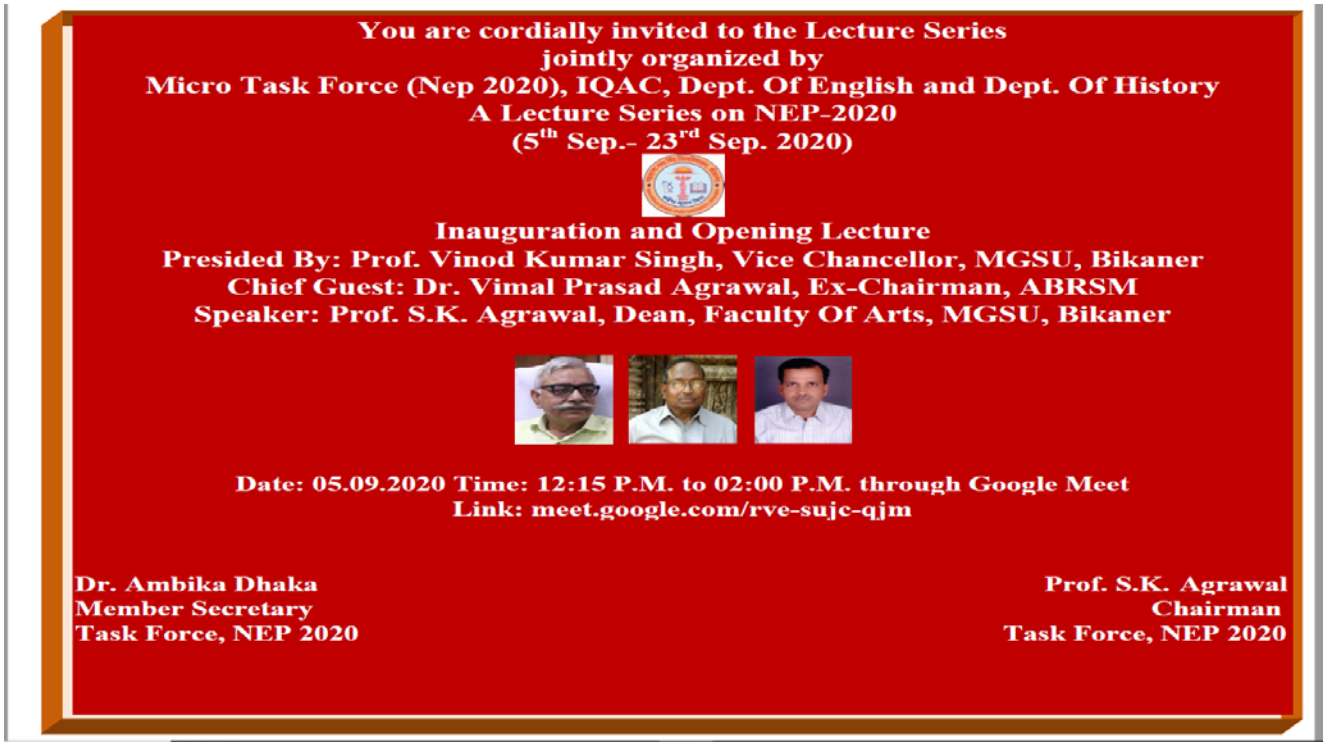

2_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: A New Dawn for India_05.09.2020_Prof. S.K. Agrawal

नई शिक्षा नीति में वैभवशाली भारत के निर्माण की परिकल्पना

yugbikaner@gmail.com

नवीन शिक्षा नीति 2020 में वैभवशाली भारत के निर्माण की परिकल्पना

बीकानेर (नसं)। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में शनिवार को विश्वविद्यालय की नवीन शिक्षा नीति पर गठित माईक्रो टॉस्क फोर्स, आई.क्यू.ए.सी., अंग्रेजी विभाग तथा इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सितम्बर माह में तीन सप्ताह तक चलने वाली लेक्चर सीरिज का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय की आई.क्यू.ए.सी. के निदेशक प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने ''एनईपी :2020 ए डॉन फॉर न्यू इण्डिया'' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली में व्याप्त विषमताओं को दूर करने का एक मात्र समाधान नवीन शिक्षा नीति है। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि प्राचीन भारत की शिक्षा पद्धति के सफल होने में मूल कारण यह था कि वह राज्याश्रित नहीं थी। प्रो. अग्रवाल ने ब्रिटिश कूटनीतिक चालों में लॉड मैकाले की दुर्भावनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा नीति सेवा और उत्पाद न होकर एक ''प्रक्रिया'' है जो चरित्र, ज्ञान और मूल्यों का निर्माण करने में सहायक है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल ने नवीन शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं का गुणात्मक विश्लेषण करते हुए कहा कि इस नीति में शिक्षक संस्थानों के क्रमशः विकास करने की व्यवस्था की गई है तथा शिक्षा का विस्तार कैसे हो, इस पर भी विचार किया गया है। कार्यक्रम अध्यक्ष विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. विनोद कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में नवीन शिक्षा नीति में सतत व व्यापक मूल्यांकन की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सतत् व्यक्तित्व के निर्माण में यह बिन्दु यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह निरन्तर मूल्यांकन एवं उन्नयन की प्रक्रिया को सुदृढ़ करता है। कार्यक्रम आयोजन सचिव एवं माईक्रो टॉस्क फोर्स की सदस्य सचिव डॉ. अम्बिका ढाका ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए नवीन शिक्षा नीति में भाषा की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि सीखने की प्रक्रिया में यह वह कारक है जो जोड़ने का कार्य करेगी तथा विभिन्न विषयों में अनुवाद एक ऐसा क्षेत्र रहेगा जिसमें शिक्षाविदों को आगामी समय में भरसक प्रयास करना होगा।

2_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: A New Dawn for India_05.09.2020_Prof. S.K.Agrawal _1

नवीन शिक्षा नीति 2020 लेक्चर सीरिज का उद्घाटन

नवीन शिक्षा नीति 2020 में वैभवशाली भारत के निर्माण की परिकल्पना : प्रो. अग्रवाल

5 सितम्बर 2020
नवभारत न्यूज

बीकानेर। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में विश्वविद्यालय की नवीन शिक्षा नीति पर गठित माईक्रो टॉस्क फोर्स, आई.क्यू.ए.सी., अंग्रेजी विभाग तथा इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सितम्बर माह में तीन सप्ताह तक चलने वाली लेक्चर सीरिज का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय की आई.क्यू.ए.सी. के निदेशक प्रो. सुरेश अग्रवाल ने ''एनईपी:2020 ए डॉन फॉर न्यू इण्डिया' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली में व्याप्त विषमताओं को दूर करने का एक मात्र समाधान नवीन शिक्षा नीति है।

कार्यक्रम अध्यक्ष विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. विनोद कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में नवीन शिक्षा नीति में सतत व व्यापक मूल्यांकन की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सतत् व्यक्तित्व के निर्माण में यह बिन्दु यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह निरन्तर मूल्यांकन एवं उन्नयन की प्रक्रिया को सुदृढ़ करता है।

कार्यक्रम आयोजन सचिव एवं माईक्रो टॉस्ट फोर्स की सदस्य सचिव डॉ. अम्बिका ढाका ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए नवीन शिक्षा नीति में भाषा की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि सीखने की प्रक्रिया में यह वह कारक है जो जोड़ने का कार्य करेगी तथा विभिन्न विषयों में अनुवाद एक ऐसा क्षेत्र रहेगा जिसमें शिक्षाविदों को आगामी समय में भरसक प्रयास करना होगा। कार्यक्रम में माईक्रो टॉस्क फोर्स के सदस्य डॉ. गौतम मेघवंशी, अमरेश सिंह तथा उमेश शर्मा की सक्रिय सहभागिता रही।

2_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: A New Dawn for India_05.09.2020_Prof. S.K. Agrawal _3

नई शिक्षा नीति-2020 में भूमिका और दायित्वों का महत्वपूर्ण स्थान : प्रो. एचडी चारण

9 सितम्बर 2020
नवभारत न्यूज

बीकानेर। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय की नई शिक्षा नीति-2020 माइक्रो टास्क फोर्स द्वारा आयोजित की जा रही लेक्चर सीरीज के दूसरे दिन बीकानेर टैक्निकल विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रो. एच.डी. चारण ने मध्यस्थ 1/4 मोडरेटर1/2 की भूमिका में नई शिक्षा नीति-2020 पर विचार रखते हुए कहा कि शिक्षा नीति को सही रूप में लागू किया जाना बहुत ही गंभीर विषय है तथा शिक्षा के दायरे को कागजों में समेटा नहीं जा सकता है। लेक्चर सीरीज के वक्ता पर्यावरण विभाग, एम.जी.एस.यू. के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल छंगाणी ने एन.ई.पी.-2020 ए होलिस्टिक मल्टीडिसिप्लिनरी ऐजुकेशन फॉर फ्यूचर स्टेक होल्डर्स विषय पर बोलते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण करना है, जिससे वह जीवन में सफल हो सके। कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के फौजा सिंह, एन.ई.पी.-2020 विश्वविद्यालय माईक्रो टास्क फोर्स के चेयरपर्सन प्रो. सुरेश अग्रवाल ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संयोजन एन.ई.पी. 2020 माइक्रो टास्क फोर्स की सदस्य सचिव डॉ. अम्बिका डाका ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्वानों ने उपस्थिति दर्ज करवाई। डा. डाका ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

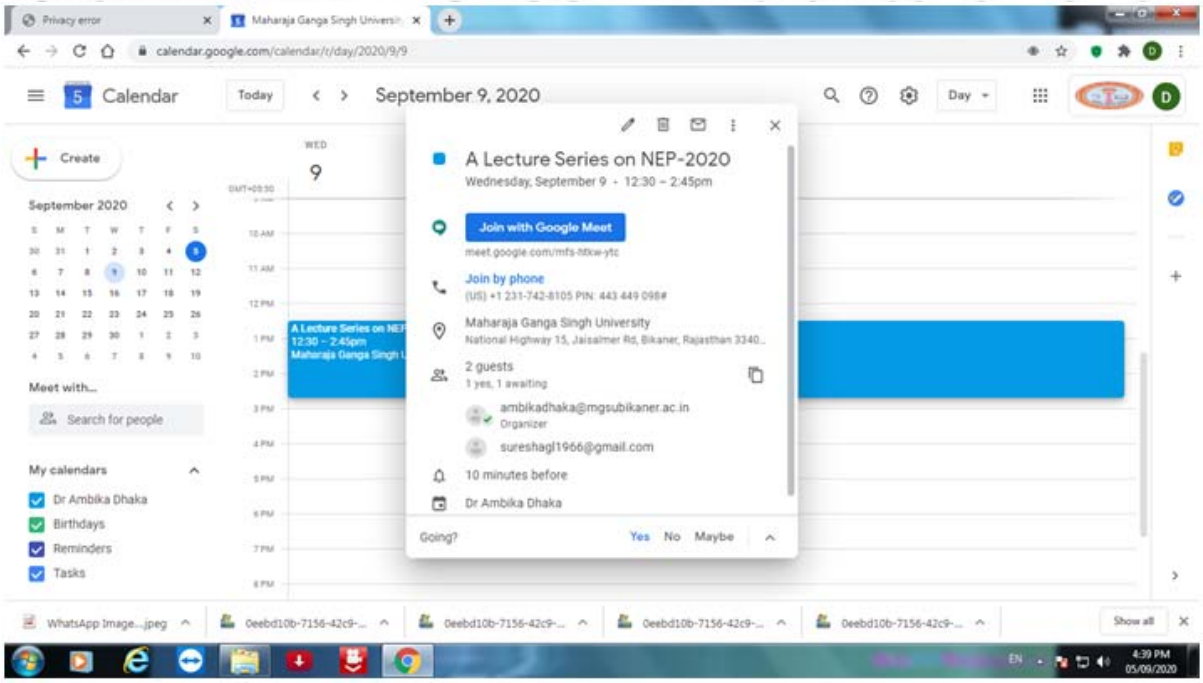

3_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: A Holistic Multidisciplinary Education for Future Stakeholders_09.09.2020_Prof. A. K. Chhangani

&

4_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: Skilling India_09.09.2020_Mr. Fauja Singh

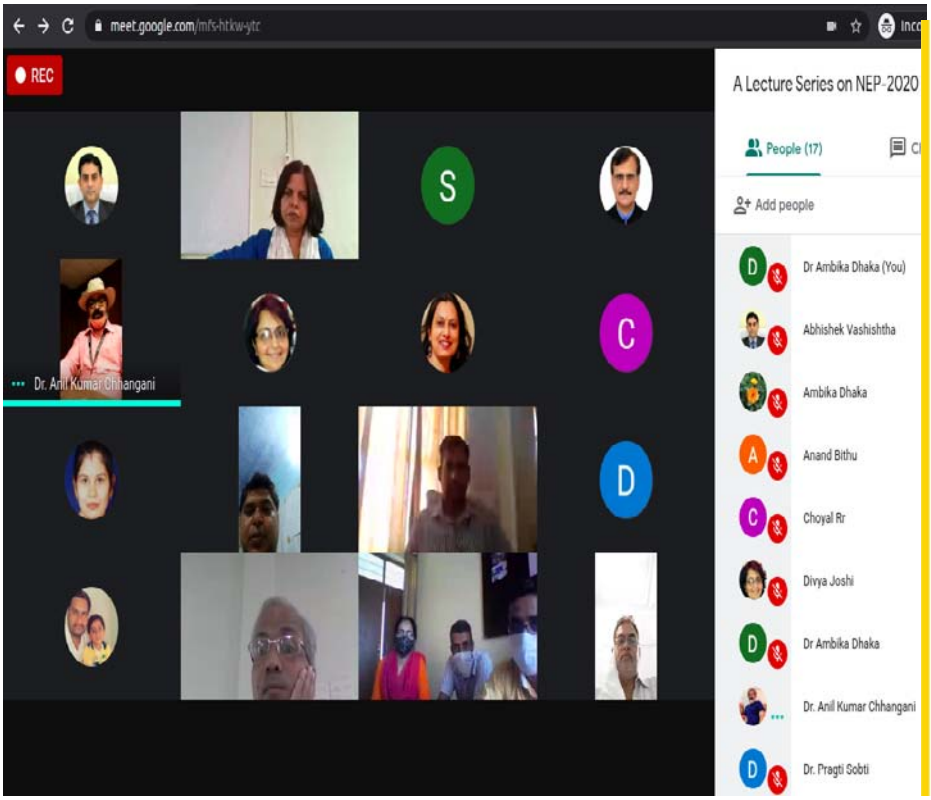

नई शिक्षा नीति में दायित्वों का महत्वपूर्ण स्थानः प्रो. चारण

बीकानेर (नसें)। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय की नई शिक्षा नीति-2020 माइक्रो टास्क फोर्स द्वारा आयोजित की जा रही लेक्चर सीरीज के दूसरे दिन बीकानेर टेक्नीकल विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रो. एच.डी. चारण ने मध्यस्थ (मोडरेटर) की भूमिका में नई शिक्षा नीति-2020 पर विचार रखते हुए कहा कि शिक्षा के दायरे को कागजों में समेटा नहीं जा सकता है। प्रो. चारण ने नई शिक्षा नीति में व्याप्त लचीलेपन को रेखांकित करते हुए कहा कि यह शिक्षार्थी को अपनी परिस्थिति के अनुरूप शिक्षा लेने की स्वतंत्रता प्रदान करती है। लेक्चर सीरीज के वक्ता पर्यावरण विभाग, एम.जी.एस.यू. के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार छंगाणी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण करना है, जिससे वह जीवन में सफल हो सके। कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के फौजा सिंह ने एन.ई.पी.-2020 स्कीलिंग इंडिया पर अपने विचार रखते हुए कहा कि वर्तमान युग में शिक्षा अर्जन व पढ़ाने की पद्धति में तेजी से बदलाव आ रहे हैं। इस दौर में डिजिटल साक्षरता अत्यन्त आवश्यक हो गई हैं। इससे सीखने का दायरा भी व्यापक हो गया है। एन.ई.पी.-2020 विश्वविद्यालय माईक्रो टास्क फोर्स के चेयरपर्सन, प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने विषय पर निष्कर्ष रूप में विचार रखते हुए कहा कि व्यक्ति के संपूर्ण विकास के लिए शरीर, मस्तिष्क, व आत्मा के संयुक्त रूप का विकास करती है तथा शिक्षा, सम्बन्धों, जिम्मेदारी और जीवन के प्रति श्रद्धा के रूप में कार्य करती है। कार्यक्रम का संयोजन एन.ई.पी. 2020 माइक्रो टास्क फोर्स की सदस्य सचिव डा. अम्बिका ढाका ने किया।

3_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: A Holistic Multidisciplinary Education for Future Stakeholders_09.09.2020_Prof. A. K. Chhangani

&

4_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: Skilling India_09.09.2020_Mr. Fauja Singh

3_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: A Holistic Multidisciplinary Education for Future Stakeholders_09.09.2020_Prof. A. K. Chhangani

&

4_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: Skilling India_09.09.2020_Mr. Fauja Singh

कौशल और मूल्य नई शिक्षा नीति के आधार स्तम्भः प्रो. गहलोत

14 सितम्बर 2020
नवभारत न्यूज

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति 2020 के प्रसार व सुझावों को संकलित करने हेतु गठित माइक्रो टास्क फोर्स द्वारा आयोजित की जा रही लेक्चर सीरिज में तीसरे दिन मुख्य अतिथि व मध्यस्थ (मोडरेटर) की भूमिका में प्रो. ए.के. गहलोत, पूर्व कुलपति, राजुवास बीकानेर ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा नीति में कौशल व मूल्यों को प्रधानता दी गई है। प्रो गहलोत ने इस नीति में प्रारंभिक शिक्षा से जुड़े आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका को रेखांकित किया तथा कहा कि विश्वस्तर पर उनके द्वारा किये कार्यों व सेवाभाव को सराहा गया।

कार्यक्रम के वक्ता अधिष्ठाता, विज्ञान संकाय, प्रो. राजाराम चोयल ने एन.ई.पी. 2020: आटोनोमी इन हायर ऐज्युकेशन विषय पर कहा कि वर्तमान युग में शिक्षा को अपनी स्थिति व परिस्थिति के अनुरूप जारी रखने की स्वतंत्रता पढ़ाई को बोझ न बनाकर एक सहायक का कार्य करेगी। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में सम्मिलित डॉ. अम्बिका ढाका ने कहा कि सम्पूर्ण नीति को वर्ष 2040 तक लागू

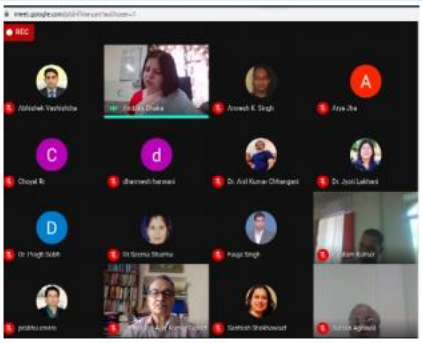

किया जाना है। ऐसी स्थिति में आगामी 15 वर्षों तक लगातार प्रति सप्ताह एक नवीन विश्वविद्यालय, 50 स्कूल, 50 हेडमास्टर तथा 200-300 शिक्षकों की नियुक्ति का दुर्गम कार्य करना होगा। साथ ही कोविड की परिस्थितियों ने जहाँ सरकार की प्राथमिकता स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे विषय हैं, उसमें शिक्षा को कितनी प्राथमिकता मिलेगी, यह आगामी वर्षों में ही तय होगा।

नई शिक्षा नीति-2020 में भूमिका और दायित्वों का महत्वपूर्ण स्थानः प्रो. चारण

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय की नई शिक्षा नीति-2020 माइक्रो टास्क फोर्स द्वारा आयोजित की जा रही लेक्चर सीरीज के दूसरे दिन बीकानेर टेक्नीकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एच.डी. चारण ने मध्यस्थ (मोडरेटर) की भूमिका में नई शिक्षा नीति-2020 पर विचार रखते हुए कहा कि शिक्षा नीति को सही रूप में लागू किया जाना बहुत ही गंभीर विषय है तथा शिक्षा के दायरे को कागजों में समेटा नहीं जा सकता है। पर्यावरण विभाग एम.जी.एस.यू. के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल छंगाणी ने एनईपी-2020 ए होलिस्टिक मल्टीडिसिप्लिनिरी ऐज्युकेशन फॉर फ्यूचर स्टेक होल्डर्स विषय पर बोलते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण करना है, जिससे वह जीवन में सफल हो सके। कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के फौजा सिंह, एन.ई.पी.-2020 विश्वविद्यालय माईक्रो टास्क फोर्स के चेयरपर्सन, प्रो. सुरेश अग्रवाल ने विचार व्यक्त किए।

5_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: Autonomy in Higher Education_14.09.2020_Prof. Rajaram Choyal

&

6_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: Issues and Challenges Related to Its Implementation_14.09.2020_Dr. Ambika Dhaka

आचरण, व्यवहार व आत्मा में भारतीय है नई शिक्षा नीति : प्रो. सिंघल

■ निज संवाददाता

बीकानेर। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर की माइक्रो टास्क फोर्स, आई.क्यू.ए.सी., इतिहास विभाग तथा अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही लेक्चर सीरीज के पांचवे दिन मुख्य अतिथि व मध्यस्थ के रूप में बोलते हुए प्रो. जे.पी. सिंघल ने नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं को विस्तारपूर्वक रखते हुए कहा कि यह नीति रटने की पद्धति को अन्त करके वास्तविक रूप से सीखने पर बल देती है। यह शिक्षा नीति नींव को सुदृढ़ करने का कार्य करेगी तथा सभी बंधनों से पार पाने में सक्षम बनाएगी। विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य व वक्ता डॉ. धर्मेश हरवानी ने कहा कि भारत की वर्तमान शिक्षा नीति को परिवर्तन करने की महती आवश्यकता है। देश में बेरोजगारी के आंकड़ों की बात करें तो यह ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में 5.3 प्रतिशत तथा 7.8 प्रतिशत है। अंग्रेजी विभाग की संकाय सदस्य व वक्ता श्रीमती संतोष कँवर शेखावत ने कहा कि यह नीति अपने उद्देश्यों को पूर्ण रूप से तभी प्राप्त कर सकेगी जब राज्य व केन्द्र सरकारें मिल कर कार्य करेंगी लेक्चर सीरीज के चौथे दिन मुख्य अतिथि के रूप में इनफ्लिबनेट, गांधीनगर के निदेशक प्रो. जे.पी.एस. जुरैल ने नई शिक्षा नीति के संदर्भ में कहा कि यह परीक्षा के भय और भाषा के भय को समाप्त करेगी। कम्प्यूटर विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति लखानी व अमरेश कुमार सिंह ने विचार रखे। टास्क फोर्स के चेयरपर्सन प्रो. सुरेश अग्रवाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति वोकल फॉर लोकल की भावना से प्रेरित है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अंबिका ढाका ने किया।

युगपक्ष
ज़्यादा खबरें ताज़ा खबरें
युगपक्ष हाथ में तो दुनिया साथ में

9_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: A Move to Revamp the Education System of 21st Century_16.09.2020_Dr. Dharmesh Harwani

&

10_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: Key Proposals, Targets and Deadlines_16.09.2020_Dr. Santosh K. Shekhawat

ऑनलाईन भी : http://ibadatnews.blogspot.com www. paperboy.com WhatsApp No. : 75975-92254

(प्रातःकालीन दैनिक) हनुमानगढ़ (राजस्थान) गुरुवार 24 सितम्बर, 2020 संस्करण : हनुमानगढ़, जयपुर 2

रू/ सीकर/ बीकानेर/श्रीगंगानगर/हनुमानगढ़ आसपास

बीकानेर विवि में लेक्चर सीरीज का समापन

नई शिक्षा नीति 5 स्तम्भों पर आधारित है- प्रो. दशोरा

एमजीएसयू में लेक्चर सीरीज का समापन

नई शिक्षा नीति 5 स्तम्भों पर आधारित है- प्रो. दशोरा

3

बीकानेर (नसं)। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर की माइक्रो टास्क फोर्स, आई.क्यू.ए.सी., अंग्रेजी विभाग तथा इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 9 दिवस तक आयोजित की गई लेक्चर सीरीज का बुधवार को समापन हो गया। समापन सत्र कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. परमेन्द्र कुमार दशोरा ने कहा कि खेलों के प्रति दृष्टिकोण को स्कूल व कॉलेज स्तर पर बदलने की आवश्यकता है। प्रो. दशोरा ने कहा कि नई शिक्षा नीति पाँच स्तम्भों पर आधारित है, यथा- उपलब्धता, समता, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास। सहायक निदेशक डॉ. यशवन्त गहलोत ने ''स्पोर्ट्स व गेम्स तथा नई शिक्षा नीति 2020'' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि इस नीति में सभी विषयों के समकक्ष खेल विषय को भी रखा गया है। ऐसा करने से खेलों के प्रति सम्पूर्ण भाव में परिवर्तन आएगा। माइक्रो टास्क फोर्स के चेयरपर्सन प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने नई शिक्षा नीति के रोडमैप पर बात रखते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति भारत केन्द्रित शिक्षण व्यवस्था है तथा यह भाव सम्पूर्ण दस्तावेज में प्रवाहित होता है। माइक्रो टास्क फोर्स की सदस्य सचिव डॉ. अम्बिका ढ़ाका ने बताया कि इस लेक्चर सीरीज में सत्रह वक्ताओं व सात विषय विशेषज्ञों का योगदान रहा।

18_NEP-2020 Online Lecture Series_Jointly Organised by NEP Task Force, IQAC, Dept. of History & Dept. of English_NEP-2020: Sports & Games_23.09.2020

आईक्यूएसी द्वारा सीबीसीएस प्रणाली पर कार्यशाला सम्पन्न

11 अक्टूबर 2020
नवभारत न्यूज

बीकानेर। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता सुनश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. विनोद कुमार सिंह द्वारा की गई। प्रो. सिंह ने अपने उद्बोधन में इस प्रणाली की गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रणाली नई शिक्षा नीति की आत्मा को मूर्त रूप प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज है। विषय विशेषज्ञ व आई.क्यू.ए.सी. के निदेशक, प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने कार्यशाला में सी.बी.सी.एस. के प्रारूप पर विस्तार से चर्चा करते हुए क्रेडिट अर्जन, मल्टीपल एक्जिट व एन्ट्री, क्रेडिट बैंक आदि पर संकाय सदस्यों के प्रश्नों का समाधान किया। डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. बिट्टुल बिस्सा ने कहा कि सी.बी.सी.एस. के क्रियान्वयन में विश्वविद्यालय से संबध कॉलेजों के प्राचार्यों व प्रशासन के साथ बैठके आयोजित करने की आवश्यकता है जिससे इस प्रणाली को सुदृढ. रूप से लागू करने में उनके सुझावों का भी समावेश किया जा सके। कार्यक्रम में डॉ. धर्मेश हरवानी, डॉ. अम्बिका ढाका, डॉ. गौतम कुमार मेघवंशी, प्रो. राजाराम चोयल, डॉ. अनिल कुमार दुलार, डॉ. प्रगति सोबती, डॉ. ज्योति लखाणी, डॉ. लीला कौर, डॉ. प्रभूदान चारण, अमरेश कुमार सिंह, फौजा सिंह आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

सी.बी.सी.एस. प्रणाली से ही शिक्षा की गुणवत्ता, छात्रों की परफारमेंस में सुधार संभव : प्रो. सिंह

आई.क्यू.ए.सी. द्वारा सी.बी.सी.एस. प्रणाली पर कार्यशाला

बीकानेर (नसं)। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर की आंतरिक गुणवत्ता सुनश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. विनोद कुमार सिंह द्वारा की गई। प्रो. सिंह ने अपने उद्बोधन में इस प्रणाली की गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रणाली नई शिक्षा नीति की आत्मा को मूर्त रूप प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज है। प्रो. सिंह ने कहा की इस सिस्टम के अन्तर्गत छात्रों के पास निर्धारित पाठ्यक्रमों का चयन करने के विकल्प मौजूद होते है, जिसको मूल, निर्वाचित या मामूली या मृदु कौशल पाठ्यक्रम के रूप में प्रस्तुत किया गया है। विषय विशेषज्ञ व आई.क्यू.ए.सी. के निदेशक, प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने कार्यशाला में सी.बी.सी.एस. के प्रारूप पर विस्तार से चर्चा करते हुए क्रेडिट अर्जन, मल्टीपल एक्जिट व एन्ट्री, क्रेडिट बैंक आदि पर संकाय सदस्यों के प्रश्नों का समाधान किया। डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. बिट्टुल बिस्सा ने कहा कि सी.बी.सी.एस. के क्रियान्वयन में विश्वविद्यालय से संबध कॉलेजों के प्राचार्यों व प्रशासन के साथ बैठके आयोजित करने की आवश्यकता है जिससे इस प्रणाली को सुदृढ. रूप से लागू करने में उनके सुझावों का भी समावेश किया जा सके। कार्यक्रम में डॉ. धर्मेश हरवानी, डॉ. अम्बिका ढाका, डॉ. गौतम कुमार मेघवंशी, प्रो. राजाराम चोयल, डॉ. अनिल कुमार दुलार, डॉ. प्रगति सोबती, डॉ. ज्योति लखाणी, डॉ. लीला कौर, डॉ. प्रभूदान चारण, श्री अमरेश कुमार सिंह, श्री फौजा सिंह आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. धर्मेश हरवानी ने किया। कार्यक्रम के अंत में आई.क्यू.ए.सी. सदस्य डॉ. अम्बिका ढाका ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

19_Workshop_Organised by IQAC_Choice Based Credit System _10.10.2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

नई शिक्षा नीति में अंग्रेजी पढ़ाने का महत्व बढ़ा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अंग्रेजी अध्ययन के विलोपन का प्रावधान नहीं है। इस नीति में मातृ भाषा उन्नयन का प्रावधान है। यदि बालक को प्रारंभिक शिक्षा मातृ भाषा में प्रदान की जाती है तो वह सुगमता से सीख पाता है। इस नीति ने अंग्रेजी के अध्ययन के महत्व को और बढ़ा दिया है।

यह विचार इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज के अध्यक्ष प्रो. कपिल कपूर ने व्यक्त किए। वे महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की ओर से आयोजित आइक्यूएसी ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस में उद्‌बोधन दे रहे थे।

राजस्थान विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्रो एनके पांडे ने कहा कि नई नीति से इंगित होता है कि वर्तमान परिदृश्य में शिक्षा में प्रवीणता लाने के लिए अंग्रेजी की भी उतनी ही उपादेयता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य एसपी शुक्ला, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के प्रो. संजीवकुमार ने कहा कि अंग्रेजी को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है कि नवीन शिक्षा नीति में अंग्रेजी को दरकिनार कर दिया गया है। जबकि वास्तव में अंग्रेजी को नई नीति में एक व्यावहारिक भाषा के रूप में और अधिक महत्व दिया गया है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद अजमेर के प्रो. सरयुग यादव ने नई नीति को आमूलचूल परिवर्तन का परिचायक बताया। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के प्रो. अन्नू शुक्ला, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की प्रो. कल्पना पुरोहित व बीकानेर की डॉ. कृष्णा राठौड़ ने भी विचार व्यक्त किए।

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वीके सिंह उद्‌घाटन सत्र में अध्यक्षीय उदबोधन देते हुए कहा कि अंग्रेजी अब अंग्रेजीयत के लिए नहीं बल्क भारतीयता के लिए पढ़ाई जानी चाहिए। कॉन्फ्रेंस एवं आइक्यूएसी के निदेशक प्रो. एसके अग्रवाल ने कहा कि वास्तविकता में अंग्रेजी को नई नीति में अंग्रेजी शिक्षण-दीक्षण के औपनिवेशीकरण को समाप्त करने का प्रयास है।

स्वतंत्र भारत में हमें अपनी अंग्रेजी स्वीकार करने की आवश्यकता है। अलवर के जिला कलक्टर एनएम पहाड़िया ने भी विचार व्यक्त किए। उद्‌घाटन सत्र का संचालन डॉ. प्रगति सोबती ने किया। तकनीकी सत्रों का संचालन डॉ. सीमा शर्मा व संतोषकंवर शेखावत ने किया।

CS Scanned with CamScanner

21_National Webinar _Jointly Organised by IQAC & Dept. of English_NEP 2020 and the future of English Studies in India_18.02.2021 to 19.02.2021

सार-समाचार

संगोष्ठी के पोस्टर का लोकार्पण

बीकानेर,(कासं)। एमजीएसयू बीकानेर के राजस्थानी विभाग और आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में 20 फरवरी को होने वाली एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर का लोकार्पण बुधवार को कुलपति प्रो. विनोद कुमार सिंह, वित्त नियंत्रक संजय धवन, प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल व आयोजन सचिव डॉ मेघना शर्मा ने कुलपति सचिवालय में किया। संगोष्ठी में देश के ख्याति प्राप्त साहित्यकार, चिंतक व शिक्षाविद 'नई शिक्षा नीति और मातृभाषा उन्नयन' विषय पर अपनी बात रखेंगे। आयोजन सचिव, एमजीएसयू के राजस्थानी विभाग की प्रभारी डॉ मेघना शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से संपादित होने वाली इस संगोष्ठी में राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण व्यास, कोलकाता के समाजसेवी, राजस्थानी विचारक जयप्रकाश सेठिया, बाबा रामदेव शोधपीठ के निदेशक गजेसिंह राजपुरोहित, मरुदेश संस्थान के अध्यक्ष डॉ घनश्याम नाथ कच्छावा, शब्द श्री संस्थान की अध्यक्ष मोनिका गौड़ सहित अन्य विद्वान मंच से अपनी बात रखेंगे। आइक्यूएसी निदेशक प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल के अनुसार दो सत्रों में आयोजित होने वाली इस संगोष्ठी को अजमेर राजकीय महाविद्यालय के राजस्थानी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ लक्ष्मीकांत व्यास, सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर के डॉ. सुरेश साल्वी व राजस्थानी मोट्यार परिषद के प्रदेशाध्यक्ष डॉ शिवदान सिंह झोलावास, जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ के डॉ. राजेंद्र बारहठ व डॉ. गौरीशंकर प्रजापत भी संबोधित करेंगे।

CS Scanned with CamScanner

नई शिक्षा नीति व मातृभाषा उन्नयन पर संगोष्ठी सम्पन्न

बीकानेर, (कासं)। एमजीएसयू के राजस्थानी विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय राजस्थानी वेबिनार आयोजित की गई जिसमें पेरिस फ्रांस से अन्तर्राष्ट्रीय विभूति प्रोफेसर डॉ. सरस्वती जोशी ने भाग लिया।

■ राजस्थानी भाषा को अपनाने और उसे पाठ्यक्रमों में समुचित स्थान दिलवाने की मांग

संगोष्ठी में सर्वप्रथम स्वागत भाषण आइक्यूएसी निदेशक प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने दिया व कहा कि हमें राजस्थानी के तौर तरीकों को अपनाना होगा। राजस्थानी को शिक्षा का माध्यम बनाने की पैरवी करना अब वक्त की ज़रूरत बन चुका है। संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ मेघना शर्मा ने बताया कि संगोष्ठी में राजस्थानी भाषा के शिक्षाविद, राजस्थानी मान्यता आंदोलन आधारित संस्थाओं के पदाधिकारी, चिंतक-विचारक व समाजसेवियों द्वारा प्रतिभागिता निभाई गई। समन्वयक डॉ. नमामी शंकर आचार्य द्वारा संगोष्ठी का संयोजन करते हुए समस्त अतिथियों का परिचय दिया गया।

वक्ता के रूप में अपनी बात रखते हुए जोधपुर के डॉ गजे सिंह राजपुरोहित ने मातृभाषा उन्नयन और नई शिक्षा नीति के तकनीकी पक्ष पर जोर दिया। शिक्षा नीति के अंतर्गत मातृभाषा को लेकर हुए प्रावधानों पर विस्तृत विवरण देते हुए अपनी बात कही। साहित्यकार मोनिका गौड़ ने कहा कि जब बच्चा राजस्थानी बोलता है तो हम घर में ही उसे डांट कर हिन्दी या अंग्रेजी बोलने को विवश करते हैं। यहीं मातृभाषा दम तोड़ती नजर आती है। हमें अपने आसपास से ही मातृभाषा उन्नयन आरंभ करना होगा। क्योंकि राजस्थानी भाषा संस्कारों का बीज है।

मरुदेश संस्थान सुजानगढ़ के अध्यक्ष डॉ घनश्याम नाथ कच्छावा ने कहा कि राजस्थानी बोलने की हिचकिचाहट को हमें दूर करना होगा तभी यह भाषा जनसामान्य की भाषा बन पायेगी। राजस्थानी मोटियार परिषद के प्रदेशाध्यक्ष डॉ शिवादान सिंह जोलावास के विचारों में राजस्थानी भाषा की लेखन पद्धतियां विगत, टीका आदि विरासत को सुरक्षित रखना हमारा प्राथमिक दायित्व है। प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि केन्द्रीय साहित्य अकादेमी की राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य आशावादी ने अपनी बात अपनी बात रखते हुए कहा कि राजस्थानी का मान सम्मान हम सबकी जिम्मेदारी है। शिक्षण संस्थान राजस्थानी को उचित स्थान दिलाने में अग्रणी साबित हो सकते हैं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रोफेसर विनोद कुमार सिंह ने राजस्थानी भाषा को अपनाने और उसे पाठ्यक्रमों में समुचित स्थान दिलवाने की बात कही। आभार प्रदर्शन राजस्थानी विभाग प्रभारी बीकानेर डॉ मेघना शर्मा द्वारा किया गया।

CS Scanned with CamScanner

22_International Webinar _Jointly Organised by IQAC & Dept. of Rajasthani_New Education Policy and Promotion of Mother Language_20.02.2021

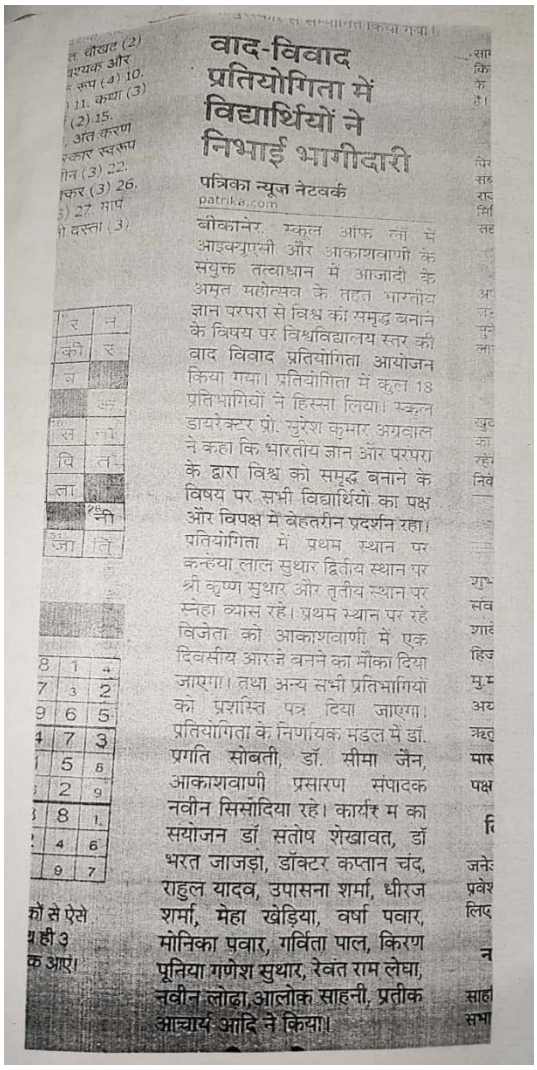

वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने निभाई भागीदारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. स्कूल ऑफ लॉ में आइक्यूएसी और आकाशवाणी के संयुक्त तत्वाधान में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा से विश्व को समृद्ध बनाने के विषय पर विश्वविद्यालय स्तर की वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। स्कूल डायरेक्टर प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि भारतीय ज्ञान और परंपरा के द्वारा विश्व को समृद्ध बनाने के विषय पर सभी विद्यार्थियों का पक्ष और विपक्ष में बेहतरीन प्रदर्शन रहा। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कन्हैया लाल सुथार द्वितीय स्थान पर श्री कृष्ण सुथार और तृतीय स्थान पर स्नेहा व्यास रहे। प्रथम स्थान पर रहे विजेता को आकाशवाणी में एक दिवसीय आरजे बनने का मौका दिया जाएगा। तथा अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. प्रगति सोबती, डॉ. सीमा जैन, आकाशवाणी प्रसारण संपादक नवीन सिसोदिया रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. संतोष शेखावत, डॉ भरत जाजड़ा, डॉक्टर कप्तान चंद, राहुल यादव, उपासना शर्मा, धीरज शर्मा, मेहा खेड़िया, वर्षा पवार, मोनिका पवार, गर्विता पाल, किरण पूनिया गणेश सुथार, रेवंत राम लेघा, नवीन लोढ़ा, आलोक साहनी, प्रतीक आचार्य आदि ने किया।

32_Debate_Jointly Organised by IQAC, School of Law & All India Radio (Aakaasvani), Bikaner_"Bhartiye Gyan Parampara" on the occasion of “aajadi ka amratmohotsaw”_18.12.2021

* https://www.youtube.com/c/MGSUBIKANER1/videos